1 वह देश कौन-सा है?

मंथन

भारत संसार में सबसे सुंदर और सर्वश्रेष्ठ देश है। हिमालय की गगनचुंबी चोटियाँ इसका मस्तक हैं और महासागर इसके पाँव पखारता है। भारत एक प्राचीनतम देश है। प्राकृतिक दृष्टि से भी यह अत्यधिक सुंदर है। भारत मनमोहिनी प्रकृति की मनोरम गोद में बसा देश है। स्वर्ग के समान सुखों को देनेवाला, रस भरे फलों से भरा हुआ, संसार में सर्वश्रेष्ठ, प्रथम सभ्यता का ज्ञाता तथा सभ्य देश–भारत देश ही है।

मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?

नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले फल, कंद, नाज, मेवे,
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन-सा है?

जिसमें सुगंध वाले सुंदर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है?
मैदान, गिरि, वनों में हरियालियाँ लहकतीं,
आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?

जिसकी अनंत धन से धरती भरी पड़ी है,
संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है?
सबसे प्रथम जगत में जो सभ्य था यशस्वी,
जगदीश का दुलारा, वह देश कौन-सा है?

Scanned with CamScanner

पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया,
शिक्षित किया, सुधारा वह देश कौन-सा है?
हैं कोटि-कोटि भाई, सेवक, सपूत जिसके,
भारत सिवाय दूजा, वह देश कौन-सा है?

–रामनरेश त्रिपाठी

रचनात्मक अभिव्यक्ति

भारत देश की विशेषताओं को आधार बनाकर कक्षा में चर्चा कीजिए। आप समूह बनाकर भी चर्चा कर सकते हैं।

कवि परिचय

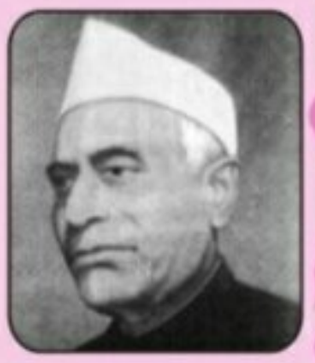

रामनरेश त्रिपाठी जी का जन्म सन् 1881 में कोइरीपुर, ज़िला जौनपुर (उ०प्र०) में हुआ था। इन्होंने आरंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद स्वाध्याय से हिंदी, अंग्रेज़ी, बँगला और उर्दू का ज्ञान प्राप्त किया। इनकी कविताओं में देशप्रेम और वैयक्तिक प्रेम दोनों मौजूद हैं, लेकिन देशप्रेम को ही विशेष स्थान दिया गया है। हिंदी में ये बाल साहित्य के जनक माने जाते हैं। कविता के अलावा इन्होंने नाटक, उपन्यास, आलोचना, संस्मरण आदि अनेक विधाओं में भी रचनाएँ कीं। रामनरेश त्रिपाठी जी की मृत्यु सन् 1962 में हुई। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं–मिलन, पथिक, स्वप्न (खंड काव्य), मानसी (फुटकर कविता संग्रह) आदि।

शब्दार्थ

मनमोहिनी – मन को अच्छी लगने वाली
रत्नेश – समुद्र
सलोना – सुंदर
कंद – गाँठदार जड़
मेवे – किशमिश, बादाम, अखरोट आदि सूखे फल
गिरि – पर्वत
प्रथम – पहला
यशस्वी – सुख्यात
चरण – पैर
सुधा – अमृत
रसीले – रस से भरे
नाज – अनाज, अन्न
प्रसून – फूल, पुष्प
अनंत – जिसका अंत न हो
जगत – संसार
कोटि – करोड़ की संख्या

Scanned with CamScanner

आओ अभ्यास करें

मौखिक

भाषा कौशल–अवबोधन, मौखिक अभिव्यक्ति

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताइए–

(क) भारत देश को किसके समान कहा गया है?

(ख) भारत का मुकुट किसे कहा गया है?

(ग) भारत में बहने वाली नदियों की विशेषता क्या है?

(घ) किन पंक्तियों में कहा गया है कि भारत की सभ्यता सबसे प्राचीन है?

लिखित

भाषा कौशल–प्रत्यास्मरण, लिखित अभिव्यक्ति

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भारत की प्राकृतिक विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

(ख) समुद्र और हिमालय को किस रूप में दर्शाया गया है?

(ग) 'पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया' इस पंक्ति का आशय लिखिए।

(घ) 'अनंत धन' से कवि क्या कहना चाहते हैं?

2. अपठित काव्यांश

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण 'धूल भरे हीरे', कहलाए,
हम खेले-कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में
हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में,
निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षट्ऋतुओं का विविध, दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है।

(क) 'धूल भरे हीरे' किन्हें कहा गया है?

(ख) मातृभूमि को देख भारतीय प्रसन्न क्यों होते हैं?

Scanned with CamScanner

(ग) कवि ने पानी की क्या विशेषता बताई है?

(घ) 'षट्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है।' पंक्ति का भाव क्या है?

मूल्यपरक प्रश्न

- भारत देश के प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?
- प्रत्येक भारतीय नागरिक का भारत के प्रति क्या कर्तव्य होना चाहिए?

उच्चस्तरीय प्रश्न

- कविता के अंतिम दो काव्यांशों के आधार पर भारत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- 'वह देश कौन-सा है?' कवि ने इसी प्रश्न को बार-बार क्यों पूछा है?

भाषा ज्ञान

भाषा कौशल–वचन, अलंकार, संधि

1. किसी शब्द को बहुवचन में परिवर्तित करते समय उसकी वर्तनी में बदलाव आता है; जैसे– 'नारी' एक स्त्री के लिए आता है और 'नारियाँ' एक से अधिक के लिए। ध्यान दीजिए कि शब्द के अंत के वर्ण की मात्रा दीर्घ 'ी' (ई) से ह्रस्व 'ि' (इ) में परिवर्तित हो गई है। ऐसे शब्दों को जिनके अंत में दीर्घ 'ई' होती है, बहुवचन बनाने पर ह्रस्व 'इ' में परिवर्तित किया जाता है। यदि शब्द के अंत में ह्रस्व 'इ' है तो उसमें परिवर्तन नहीं होता; जैसे– तिथि – तिथियाँ।

निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

(क) नदी – ..... (ख) हरियाली – .....

(ग) थाली – ..... (घ) रीति – .....

(ङ) राशि – ..... (च) जाति – .....

(छ) टोपी – ..... (ज) देवी – .....

2. 'सुख स्वर्ग-सा जहाँ है', भारत को स्वर्ग के समान सुख देने वाला बताया है, इसलिए यहाँ उपमा अलंकार है। जब किसी वस्तु या व्यक्ति की विशेषता दिखाने के लिए उसकी समानता किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति से की जाए, वहाँ उपमा अलंकार होता है।

उदाहरण – सिंधु-सा विस्तृत है अथाह एक निर्वासित का उत्साह

सीता का मुख चंद्र के समान सुंदर है।

आप ऐसे पाँच उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

Scanned with CamScanner

3. जगत् + ईश = जगदीश

जब दो ध्वनियाँ निकट होने पर आपस में मिल जाती हैं और नया रूप धारण कर लेती हैं तो वहाँ दो ध्वनियों की संधि होती है; जैसे– रत्न + ईश = रत्नेश, हिम + आलय = हिमालय, दिक् + अंबर = दिगंबर।

संधि कीजिए–

अ + ई = (ए ै)

गण + ईश = गणेश

(क) दिन + ईश = ...

(ख) सोम + ईश = ...

(ग) परम + ईश = ...

(घ) नर + ईश = ...

त् = द्

सत् + गति = सद्गति

(क) सत् + भावना = ...

(ख) भगवत् + भजन = ...

(ग) भगवत् + गीता = ...

(घ) तत् + भव = ...

रचनात्मक गतिविधियाँ

भाषा कौशल–अभिव्यक्ति, जानकारी जुटाना, ज्ञानार्जन

दूरदर्शिता

- *भारत भूमि को वसुधा क्यों कहा जाता है?*
- *कविता में भारत की विशेषताओं का गुणगान किया गया है? इनके अतिरिक्त भी देश की अनेक विशेषताएँ हैं। कक्षा में चर्चा करके उन्हें लिखिए।*

कल्पना की उड़ान

- भारत को प्राचीन देश क्यों कहा जाता है? सबसे पहले सभ्यता भारत में आई यह आप कैसे सिद्ध करेंगे?
- भारतीय संस्कृति के बारे में पता कीजिए तथा इसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। भारतीय संस्कृति तथा पाश्चात्य संस्कृति की तुलना कीजिए।

आइए, कुछ करें

भारत की उन नदियों के नामों की सूची बनाइए जिन पर बाँध बने हैं। नदियों के नाम के साथ बाँध का नाम भी लिखिए।

Scanned with CamScanner